2025

M.A. 3rd Semester Examination

HINDI

Paper : HIN - 303

[हिंदी कथेतर साहित्य]

Full Marks : 50 Time : Two Hours

The figures in the margin indicate full marks.
Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.

1. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 10×2=20

(क) 'भारतवर्ष की उन्नति कैसे हो सकती है' निबन्ध के आधार पर भारतेन्दु हरिश्चन्द्र के विचारों की समीक्षा कीजिए। इनके दो अन्य निबन्धों के नाम लिखिए।

(ख) पठित अंश के आधार पर 'आवारा मसीहा' के नायक के संघर्षों की विवेचना कीजिए। इसके किन्हीं दो पात्रों के नाम लिखिए।

(ग) एक साहित्यिक की डायरी के आधार पर मुक्तिबोध की साहित्य संबन्धी मान्यताओं के रेखांकित कीजिए।

P.T.O.

मुक्तिबोध की किन्हीं दो गद्य रचनाओं का नाम बताइए।

(घ) 'सुभद्रा कुमारी चौहान' के वैचारिक पक्ष पर प्रकाश डालिए। 'पथ के साथी' में कितने पाठ संकलित हैं? पहले पाठ का नाम लिखिए।

2. निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के यथानिर्देश उत्तर दीजिए : 5×4=20

(क) मनु भंडारी की आत्मकथा में व्यक्त स्त्री स्वर पर टिप्पणी कीजिए।

(ख) यात्रा साहित्य की विशेषताओं के आधार पर 'ल्हासा' का मूल्यांकन कीजिए।

(ग) 'अकाल-उत्सव' की प्रासंगिकता पर विचार कीजिए।

(घ) "साहित्यकार के जीवन का विश्लेषण उसके साहित्य के मूल्यांकन से कठिन है। साहित्य की कसौटी सर्वमान्य होती है, पर उसकी उर्वर भूमि आलोचक के विशेष दृष्टि-बिन्दु के फूलने-फलने का अवकाश दे सकती है।" — सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

(ङ) "लेकिन यह कविता है कि हाथ-पाँव पसारती जा रही है। और अब सुना है कि मुझे जल्दी ही एक कुंजी लिखने का काम मिलेगा। मेरी आर्थिक कठिनाई कुछ तो कम हो जाएगी।" — इस कथन की व्याख्या कीजिए।

(च) "कविता ही मनुष्य के हृदय को स्वार्थ-संबन्धों के संकुचित मंडल से ऊपर उठाकर लोक-सामान्य भाव-भूमि पर ले जाती है जहाँ जगत की नाना गतियों मार्मिक स्वरूप का साक्षात्कार और शुद्ध अनुभूतियों का संचार होता है।" — इस अंश का भाव पल्लवन कीजिए।

[Internal Assessment : 10 marks]